राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बुधवार • 15 मार्च • 2023

कृषि उत्पाद निर्यात की संभावनाओं पर सेमिनार आज : कृषि उत्पाद निर्यात की संभावना एवं क्षमता विकास विषय पर वुधवार (15 मार्च) को सेमिनार कर मोटे अनाजों (श्री अन्न) की उत्पादन, उत्पादकता एवं निर्यात की संभावनाओं के आधार पर उद्यमिता विकास को लेकर चर्चा की जायेगी। सीएसए कृषि विवि व संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किये जा रहे इस सेमिनार में 30 से अधिक संस्थानों के छात्र, शिक्षक, वैज्ञानिक व एफपीओ प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। सीएसए के निदेशक शोध डॉ.पीके सिंह ने वताया कि सेमिनार को मोटे अनाजों से संवंधित 6 विषयों पर केन्द्रित किया गया है। संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार अमित कुमार ने कहा कि प्रगतिशील देशों में वढ़ रही मोटे अनाजों की मांग के क्षेत्र में हमारा देश एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। आयोजन सचिव डॉ.वाईके सिंह ने पंजीकरण में भागीदारी के लिए निशुल्क पंजीकरण की व्यवस्था की गई है।

अधिकतम तापमान 33.00° >> न्यूनतम तापमान 19.00° >> सूर्योदय 6:16 >> सूर्यास्त 18:15 >> डॉलर 82.28 >> यूरो

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-159 | बुधवार 15 मार्च 2023 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

घबराएं नहीं सीजनल इनफ्लएंजा से, रहें सतर्क : पेज 14

मोटे अनाजों के उत्पादन, उत्पादकता एवं निर्यात की सम्भावना पर सेमिनार आज

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। कृषि उत्पाद निर्यात की सम्भावना एवं क्षमता विकास विषय पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय एवं संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन बुधवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी हॉल में किया जा रहा है। जिसमें 30 से अधिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं एफपीओ प्रतिनिधी के प्रतिभाग करने की सम्भावना है। सेमिनार का उद्देश्य मोटे अनाजों (श्री अन्न) की उत्पादन, उत्पादकता एवं निर्यात की सम्भावना के आधार पर उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना है। सेमिनार का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड पर किया जा रहा है। निदेशक शोध डा० पी०के० सिंह ने बताया कि सेमिनार को मोटे अनाज से सम्बन्धित 6 विषयों पर केनद्रित किया गया है। संयुक्त निदेशक विदेश व्यापर अमित कुमार ने बताया कि सेमिनार का विषय वर्तमान आवश्यकता के अनुकूल एवं सारगर्भित है प्रगतिशील देशों में बढ़ रही मोटे अनाजों की मॉग के क्षेत्र में हमारा देश एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। आयोजन सचिव डा० वाई0के0 सिंह ने बताया कि सेमिनार का पंजीकरण पूर्णतया निशुल्क है तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जायेंगे। आयोजक मंडल सदस्य एवं विश्वविद्यालय के भण्डार कय अधिकारी प्रोफेसर डा० कौशल ने बताया कि सेमिनार अति महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित की जा रही है।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

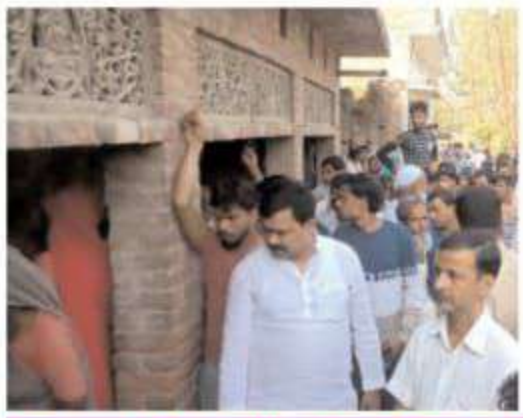

संदिग्ध हालातों में लटकती मिली किशोरी की लाश

बुधवार, 15 मार्च, 2023 लखनऊ से प्रकाशित वर्ष : 09, अंक

मोटे अनाजों की उत्पादन, उत्पादकता व निर्यात की सम्भावना पर सेमिनार आज

कानपुर। कृषि उत्पाद निर्यात की सम्भावना एवं क्षमता विकास विषय पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय एवं संयुक्त निदेशक विदेश व्यापार के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन बुधवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी हॉल में किया जा रहा है। जिसमें 30 से अधिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं एफपीओ प्रतिनिधी के प्रतिभाग करने की सम्भावना है। सेमिनार का उद्देश्य मोटे अनाजों (श्री अन्न) की उत्पादन, उत्पादकता एवं निर्यात की सम्भावना के आधार पर उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना है। सेमिनार का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड पर किया जा रहा है। निदेशक शोध डा0 पी0के0 सिंह ने बताया कि सेमिनार को मोटे अनाज से सम्बन्धित 6 विषयों पर केन्द्रित किया गया है। संयुक्त निदेशक विदेश व्यापर अमित कुमार ने बताया कि सेमिनार का विषय वर्तमान आवश्यकता के अनुकूल एवं सारगर्भित है प्रगतिशील देशों में बढ़ रही मोटे अनाजों की मॉग के क्षेत्र में हमारा देश एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। आयोजन सचिव डा0 वाई0के0 सिंह ने बताया कि सेमिनार का पंजीकरण पूर्णतया निशुल्क है तथा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र भी प्रदान किये जायेंगे।

दैनिक जागरण कानपुर 15/03/2023

कोदों, सांवा जैसे मोटे अनाज के तैयार होंगे बीज

अखिलेश तिवारी • कानपुर

- सीएसए चलन से बाहर हुए अनाज सांवा व कोदों के साथ काकुन, रागी, कूटू व किन्वोआ की प्रजातियां करेगा तैयार
- राष्ट्रीय पादप जनन द्रव्य ब्यूरो के साथ पूर्वांचल व बुंदेलखंड के किसान कृषि विश्वविद्यालय से कर रहे हैं संपर्क

किन्वोआ के पौधे • सीएसए

कुट्टू • सीएसए

सांवा • सीएसए

गेहूं और चावल की अधिक उत्पादन वाली प्रजातियों के बीच लुप्तप्राय हो चुके मोटा अनाज कोदों, सांवा, कुटकी, काकुन के बीज अब चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीज प्रक्षेत्रों में तैयार किए जाएंगे। श्रीअन्न वर्ष में इन बीजों को तैयार करने का उद्देश्य किसानों को मोटा अनाज उत्पादन के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराना है। कोदों, सांवा और काकुन की कई प्रजातियां करीब 40 साल पहले सीएसए में विकसित की जा चुकी हैं।

अत्यंत पौष्टिक अनाज कोदों, सांवा, काकुन की खेती प्रदेश में केवल पूर्वांचल के कुछ जिलों और बुंदेलखंड में ही हो रही है। इन अनाजों की खेती करने वाले किसान भी गिने-चुने हैं जो सीमित उत्पादन कर रहे हैं। किसानों की जरूरत को देखते हुए सीएसए के बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशालय ने मोटा अनाज के बीज तैयार कराने की कार्ययोजना बनाई है। सीएसए के कृषि प्रक्षेत्रों में सांवा, काकुन, कोदों, रागी, कूटू और किन्वोआ आदि की विभिन्न प्रजातियों को तैयार कराया जाएगा। इसके बीज प्राप्त करने के लिए केंद्र सरकार के राष्ट्रीय पादप जनन द्रव्य ब्यूरो और पूर्वांचल व बुंदेलखंड के जिलों के किसानों से संपर्क किया जाएगा। सावां की एक प्रजाति जेटी सावां का बीज आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या से लाया जाएगा। सीएसए ने एक साल पहले कोदों और सांवा की कुछ प्रजातियों को उगाया भी है।

कोदों व सांवा की विशेषता : दोनों ही पर्यावरण हितैषी फसल है, जो सिंचाई के बिना प्राकृतिक वर्षा में उगाई जा सकती है। कोदों को पोषण मानक पर सबसे समृद्ध अनाज माना गया है। इसे कैंसररोधी भी माना जाता है और वजन कम करने में भी मददगार है। घुटने और हड्डियों के जोड़ अर्थराइटिस में भी उपयोगी लाभकारी है। ये मधुमेहरोधी भी है और न्यूरो समस्याओं को खत्म करने में भी सहायक है।

40 साल पहले सीएसए ने विकसित की थी नई प्रजातियां

श्रीअन्न में शामिल कोदो, सावां का आज भले सीएसए के कृषि क्षेत्रों में उत्पादन नहीं हो रहा है लेकिन 40 साल पहले यहां के विज्ञानी डा. आरआर गुप्ता ने कई प्रजातियां विकसित की थीं। इसमें कोदों की प्रजाति केके-1, केके-2, मडुआ की निर्मल केएम-13 और केएम-65 , सांवा की प्रजाति अनुराग, कंचन, चंदन और काकुन, भावना और जेटी सांवा, काकुन की प्रजाति निश्चल शामिल है।

कोदों, सांवा, काकुन समेत श्रीअन्न की कई प्रजातियां हैं जो चलन से लगभग बाहर हो चुकी हैं। श्रीअन्न वर्ष में इनकी मांग बढ़ी है। किसानों को बीज नहीं मिल रहे हैं। इसलिए इस साल इन अनाजों का बीज तैयार कराया जाएगा।

प्रो. विजय कुमार यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र सीएसए

मोटे अनाज के निर्यात पर आज होगा मंथन

कानपुर, 14 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में बुधवार को एक सेमिनार आयोजित किया गया है। जिसमें मोटे अनाज के उत्पादन, उत्पादकता, निर्यात की संभावना के आधार पर उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने पर मंथन होगा। इसमें 30 से अधिक संस्थान, विवि व कॉलेज के छात्र, शिक्षक व वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे।